भारतसरकार
मत्स्यपालन, पशुपालनऔरडेयरीमंत्रालय
मत्स्यपालनविभाग

लोकसभा
अतारांकितप्रश्नसंख्या458
05 दिसंबर, 2023कोउत्तरकेलिए

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के अंतर्गत रोजगार के अवसर

458. श्रीमती पूनम महाजन:
श्री राजेश नारणभाई चुड़ासमा

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) से वर्ष 2024-25 तक मात्स्यिकी क्षेत्र में लगभग 55 लाख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित किए जाने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके लिए रूपरेखा क्या है;

(ग) पीएमएमएसवाई ने विशेषकर महाराष्ट्र राज्य में मछुआरोंकी आय बढ़ाने में किस सीमा तक सहायता की है; और

(घ) इस योजना के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों की तुलना में कितने मछुआरों को रोजगार मिला है?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

(श्री परशोत्तम रूपाला)

(क) से (घ): मत्स्यपालन विभाग, मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित की जा रही प्रधान मंत्री मत्स्य सम्पदा योजना (पीएमएमएसवाई) का उद्देश्य 2020-21 से 2024-25 तक 5 वर्षों की कार्यान्वयन अवधि के दौरान मत्स्यन और संबद्ध गतिविधियों में लगभग 55 लाख मछुआरों, मत्स्य किसानों, मत्स्य श्रमिकों, मत्स्य विक्रेताओं और अन्य ग्रामीण/शहरी आबादी के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा करना है। पीएमएमएसवाई का लक्ष्य मत्स्य उत्पादन, उत्पादकता, गुणवत्ता इनपुट, मूल्य संवर्धन, रोग प्रबंधन, प्रजाति विविधीकरण प्रौद्योगिकी जलसेक, मात्स्यिकी और मत्स्य उत्पादों के लिए शेल्फ लाइफ का निर्माण, कुशल मत्स्य परिवहन और विपणन सुविधा,बेहतर घरेलू और विदेशी रणनीति में वृद्धि के माध्यम से मत्स्य किसानों की आय में वृद्धि करना है।महाराष्ट्र सरकार ने सूचित किया है कि पीएमएमएसवाई के कुल 3351 लाभार्थी प्रत्यक्ष रूप से कार्यरत हैं और लगभग 1,04,790 अप्रत्यक्ष रूप से राज्य में मत्स्यन और संबद्ध गतिविधियों में कार्यरत हैं।इसके अलावा, यह अनुमान लगाया गया है कि अब तक पीएमएमएसवाई के तहत 11.46 लाख प्रत्यक्ष और 34.13 लाख अप्रत्यक्ष सहित लगभग 45.59 लाख रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं।

*****